UNITED NATIONS
संयुक्त राष्ट्र

मानव अधिकार दिवस

10 दिसम्बर 2024

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश का संदेश

मानवाधिकार दिवस पर, हम एक कटु सत्य का सामना कर रहे हैं. मानवाधिकारों पर हमला हो रहा है।

करोड़ों लोग, निर्धनता, भूख, ख़राब स्वास्थ्य और शैक्षणिक प्रणालियों में फँसे हुए हैं, जो अभी कोविड-19 महामारी से भी पूरी तरह से नहीं उबरे हैं।

वैश्विक विषमताएँ, बेतहाशा स्तर पर बढ़ रही हैं. टकराव और युद्ध सघन हो रहे हैं। अन्तरराष्ट्रीय क़ानून को जानबूझकर नज़रअन्दाज़ किया जा रहा है। सर्वाधिकारवाद बढ़ रहा है और साथ ही नागरिक स्थान सिमट रहा है। नफ़रत से भरी बयानबाज़ियाँ और भाषा भेदभाव, विभाजन, और सीधे तौर पर हिंसा को बढ़ावा दे रही हैं। और महिलाओं के अधिकार, क़ानून और क्रियान्वयन में भी कम हो रहे हैं। इस वर्ष की थीम हमें याद दिलाती है कि मानवाधिकार दरअसल भविष्य निर्माण के बारे में हैं – बिल्कुल अभी।
सभी मानवाधिकार अविभाज्य हैं।

चाहे आर्थिक, सामाजिक, नागरिक, सांस्कृतिक या राजनैतिक, जब एक अधिकार की अनदेखी होती है, तो सभी अधिकार कमज़ोर होते हैं।

हमें सभी अधिकारों की हिमायत में खड़े रहना होगा – सदैव। विभाजनों को पाटना और शान्ति निर्माण। निर्धनता और भूख के अभिशापों से निपटना। सभी के लिए स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा सुनिश्चित करना। महिलाओं, लड़कियों और अल्पसंख्यकों के लिए न्याय और समानता को आगे बढ़ाना। लोकतंत्र, प्रैस स्वतंत्रता और कामगारों के अधिकारों के समर्थन में खड़े होना। एक सुरक्षित, स्वच्छ, स्वस्थ और टिकाऊ पर्यावरण के अधिकार को प्रोत्साहन देना। और मानवाधिकार पैरोकारों की, उनके महत्वपूर्ण कार्य के दौरान रक्षा करना।

हाल ही में पारित भविष्य के लिए समझौता (Pact for the Future), मानवाधिकारों के सार्वभौमिक घोषणा-पत्र के लिए दुनिया की प्रतिबद्धता को फिर से मज़बूत करता है।

इस महत्वपूर्ण दिवस पर, आइए, सभी लोगों के लिए, तमाम मानवाधिकारों का संरक्षण करें, उनकी हिफ़ाजत करें और उन्हें क़ायम रखें।

***